

# ॥ हनुमान जी की आरती ॥

Chalisamantras.com

ॐ जय हनुमत वीरा,  
स्वामी जय हनुमत वीरा ।  
संकट मोचन स्वामी,  
तुम हो रनधीरा ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

पवन पुत्र अंजनी सूत,  
महिमा अति भारी ।  
दुःख दरिद्र मिटाओ,  
संकट सब हारी ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

बाल समय में तुमने,  
रवि को भक्ष लियो ।  
देवन स्तुति किन्ही,  
तुरतहिं छोड़ दियो ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

कपि सुग्रीव राम संग,  
मैत्री करवाई।  
अभिमानी बलि मेटयो,  
कीर्ति रही छाई ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

जारि लंक सिय-सुधि ले आए,  
वानर हर्षाये ।  
कारज कठिन सुधारे,

रघुबर मन भाये ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

शक्ति लगी लक्ष्मण को,  
भारी सोच भयो ।  
लाय संजीवन बूटी,  
दुःख सब दूर कियो ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

रामहि ले अहिरावण,  
जब पाताल गयो ।  
ताहि मारी प्रभु लाय,  
जय जयकार भयो ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

राजत मेहंदीपुर में,  
दर्शन सुखकारी ।  
मंगल और शनिश्चर,  
मेला है जारी ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥

श्री बालाजी की आरती,  
जो कोई नर गावे ।  
कहत इन्द्र हर्षित,  
मनवांछित फल पावे ॥  
ॐ जय हनुमत वीरा ॥